PHILOSOPHY

Hons., Paper-VI (Part III)

Dr. S.K. Singh
Mob-9431449951

राजतंत्र बनाम प्रजातंत्र

राजतंत्र	प्रजातंत्र
→ राजा का शासन	→ जनता का शासन
→ राजा की आज्ञा ही कानून	→ जनता की इच्छाओं को प्रतिबिंबित करनेवाले कानून के अनुसार शासन
→ शक्तियों का विकेन्द्रीकरण नहीं। संपूर्ण शक्तियाँ एक ही हाथ में होती हैं।	→ आधुनिक लोकतंत्र में सरकार के तीन प्रमुख कार्य माने गये हैं जिनके संपादन हेतु सरकार के तीन अंग बनाये गये हैं - (i) कार्यपालिका - (कानून लागू करना) (ii) विधायिका - (कानून बनाना) और न्यायपालिका - (कानून को व्याख्यायित करना)।
→ राजा ही ~~सम्प्रभु~~ सम्प्रभु माना जाता है	→ लोकप्रिय सम्प्रभुता का सिद्धान्त अर्थात जनता ही अन्तिम सम्प्रभु।
→ राजा के अनैतिक/अनुचित कर्त्तव्यों पर नियंत्रण की व्यवस्था नहीं।	→ राजकीय क्रियाकलापों पर नियंत्रण व निर्देशन की समुचित व्यवस्था।

Scanned with CamScanner